मस्तिष्क ज्वर/दिमागी बुखार
(एक्यूट एन्सिफेलाइटिस सिन्ड्रोम/जापानीस एन्सिफेलाइटिस)

मस्तिष्क ज्वर/दिमागी बुखार की शीघ्र पहचान व प्राथमिक देखभाल

अचानक होने वाले तेज बुखार के साथ-साथ मरीज का पूरी तरह होशो-हवाश में न होना या मरीज के व्यवहार में अचानक परिवर्तन का आना या मरीज को पहली बार झटके आना।
मरीज को नजदीक के स्वास्थ्य केन्द्र/अस्पताल तक पहुंचाने के दौरान निम्न सावधानियां लेने से मरीजों को विभिन्न जटिलताओं से बचा सकते हैः-

1. मरीज को इस दौरान पीठ के बल न लिटाकर बायें या दायें करवट ही रखें व गर्दन को सीधा रखें। इसके लिये मरीज के हाथ का उपयोग कर सकते है।
2. मरीज, यदि पूरी तरह से होशो-हवाश में न हो तो डॉक्टर की सलाह लिये बिना कोई भी चीज जैसे पानी, दवा, भोजन पदार्थ मुँह से न दें।
3. यदि मरीज के मुँह से झाग या लार बार-बार व ज्यादा निकल रहा है तो साफ पट्टी या कपड़े से मरीज का मुँह साफ करते रहें।
4. मरीज को यदि बुखार बहुत ज्यादा हो तो उसके शरीर को सादे पानी से बार-बार पोंछते रहें।
5. मरीज को यदि झटके आ रहे हों तो उसके दांतों के बीच कपड़ों का एक गोला बनाकर रखा जा सकता है, जिससे जीभ कटने से बच सके।
6. यदि एक स्वास्थ्य केन्द्र का डॉक्टर मरीज को उच्चीकृत स्वास्थ्य केन्द्र में भेज रहा है तो इस दौरान डॉक्टर द्वारा बताये गये सभी सावधानियों का सही-सही पालन करें।
7. स्वास्थ्य केन्द्र पर स्वास्थ्य कर्मियों का समुचित सहयोग करें।
8. ऐसा कोई कार्य न करें जिससे स्वास्थ्य कर्मियों या मरीज को कोई परेशानी हो या समाज में गलत संदेश जाये।
9. इसके साथ ही साथ मस्तिष्क ज्वर के बारे में व इससे बचने के उपायों के बारे में स्वंय जागरूक हों।
10. आसपास के सभी लोगों को मस्तिष्क ज्वर के बारे में जागरूक करे तथा इसके रोकथाम में सहयोग प्रदान करें।

वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड